बुधवार
11 अक्टूबर 2023

पृष्ठ 4
बिना वजह बार-बार अल्ट्रासाउंड कराना गर्भस्थ शिशु के लिए ठीक नहीं

पृष्ठ 5
फिल्म मिशनगंज को लेकर सुर्खियों में अक्षय कुमार

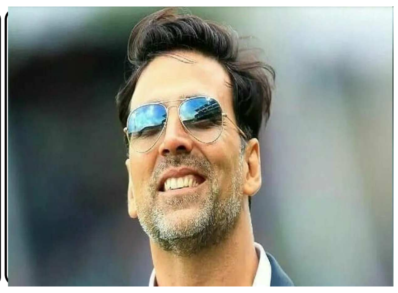

- देहरादून
- वर्ष 31
- अंक 242
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

धैर्यवान मनुष्य आत्मविश्वास की नौका पर सवार होकर आपत्ति की नदियों को सफलतापूर्वक पार कर जाते हैं। – भर्तृहरि

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

हत्या का खुलासा, दो सगे भाई गिरफ्तार

मां को गाली देने के विरोध में की गयी थी यह वारदात

हमारे संवाददाता

नैनीताल। रामनगर में हुई हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो सगे भाईयों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से मृतक के कपड़े, मोबाइल, टार्च, लोहे की राड भी बरामद की गयी है। आरोपियों के अनुसार मृतक द्वारा उनकी मां को गाली दी गयी थी। जिसके विरोध में उन्होने उसकी हत्या कर शव को नहर में फेंक दिया था।

जानकारी के अनुसार बीती 8 अक्टूबर को मृतक गोविन्द सिंह फर्त्याल पुत्र भूपाल सिंह निवासी किशनपुर छोई का शव ग्राम किशनपुर छोई में पनचक्की के पास नहर से बरामद किया गया था।

मृतक के शरीर पर कपड़े नहीं थे तथा शरीर पर जगह जगह चोटों के निशान थे। मामले में पुलिस ने मृतक के पुत्र सौरभ फर्त्याल की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी।

जांच के दौरान सामने आया कि मृतक गोविन्द फर्त्याल के खेत से कुछ दिन पहले किसी ने पेड़ काट दिए थे, मृतक को शक था कि उसके खेत से पेड़ कुन्दन सिंह के भाई संतोष उर्फ सोढ़ी तथा उसके साथियों ने काटे हैं। इस बात से मृतक काफी नाराज था। इस बीच पुलिस को पता चला कि कुन्दन सिंह विष्ट नया कोशी पुल हल्द्वानी बस अड्डे पर है तथा कहीं भागने की

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

अंतिम अरदास के साथ बंद हुए श्री हेमकुंड साहिब के कपाट

हमारे संवाददाता

चमोली । समुद्र तल से करीब 14,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित उच्च हिमालयी सिख आस्था के प्रमुख तीर्थ श्री हेमकुण्ड साहिब के कपाट आज शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए है।

प्रातः 10 बजे सुखमणि साहिब पाठ के साथ ही श्री हेमकुण्ड साहिब के कपाट बन्द की प्रक्रिया शुरू हुई, जिसके पश्चात गुरु वाणी, शबद कीर्तन, साल की अंतिम अरदास तथा हुक्मनामा पढ़ने के पश्चात आखिरी में पंच प्यारों और सेना के इंजीनियर कोर की बैंड की अगुवाई में श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी को सच्चखंड में सुशोभित किया जाएगा।

दोपहर ठीक 1 बजे शीतकाल के लिए श्री हेमकुंड साहिब के कपाट बन्द किए गए।

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

भूकम्प से फिर डोली अफगानिस्तान की धरती, रिक्टर स्केल पर तीव्रता 6.3

अफगानिस्तान। अफगानिस्तान में आज सुबह एक बार फिर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। जिससे दहशत का माहौल बना हुआ है।

जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंस की ओर से इस बात की जानकारी देते हुए बताया गया कि भूकंप के झटके उत्तर-पश्चिम अफगानिस्तान में महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.3 दर्ज की गई है। बताया जा रहा है कि भूकंप की गहराई तकरीबन 10 किलोमीटर धरती की सतह के नीचे थी।

बता दें कि बीते 7 अक्टूबर को आए भूकंप में यहां दर्जनों लोगों की मौत हो गई थी। 7 अक्टूबर को आए भूकंप की तीव्रता भी 6.3 थी। तालिबान के प्रवक्ता की ओर से कहा गया है कि भूकंप से मरने वालों की संख्या 2000 को पार कर गई है।

इससे पहले जून 2022 में भी यहां भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। पिछले दो दशक में यह अफगानिस्तान का सबसे भीषण भूकंप था। इस भूकंप में 1000 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 1500 लोग घायल हुए थे।

मौजूदा वित्त वर्ष में डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 11 लाख करोड़ के पार पहुंचा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2023-24 में 9 अक्टूबर तक ग्रॉस डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 11 लाख करोड़ को पार कर गया है। फाइनेंस मिनिस्ट्री की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार मौजूदा वित्त वर्ष में ग्रॉस डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 11.07 करोड़ रहा है।

फाइनेंस मिनिस्ट्री के अनुसार मौजूदा वित्त वर्ष में अब तक का ग्रॉस डायरेक्ट कलेक्शन पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 18 पर्सेंट ज्यादा रहा है। इसी तरह, नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 9.57 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 21.8 पर्सेंट ज्यादा है। इसके अलावा अब तक 1.5 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया जा चुका है। डायरेक्ट टैक्स में कॉरपोरेट इनकम टैक्स और पर्सनल इनकम टैक्स शामिल होते हैं। 1 फरवरी को पेश किए गए बजट के मुताबिक, केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 में कॉरपोरेट टैक्स से 9.23 लाख करोड़ टैक्स जुटाने का टारगेट तय किया है।

1 अप्रैल से 9 अक्टूबर के दौरान एकत्र किया गया नेट डायरेक्ट टैक्स पूरे साल के लिए टैक्स अनुमान (18.23 लाख करोड़ रुपये) का 52.5 पर्सेंट है। फाइनेंस मिनिस्ट्री के बयान में कहा गया है कि जहां तक ग्रॉस रेवेन्यू कलेक्शन के मामले में कॉरपोरेट इनकम टैक्स और पर्सनल इनकम टैक्स के ग्रोथ रेट का सवाल है, तो यह आंकड़ा क्रमशः 7.3 प्रतिशत और 29.53 प्रतिशत है।

दून वैली मेल

संपादकीय

मन चंगा तो कठौती में गंगा

कहा जाता है कि 'मन चंगा तो कठौती में गंगा'। मन के बारे में एक अहम कहावत है जो बहुत ही आम है 'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत'। आदमी का मन और मस्तिष्क दो ऐसी अलग-अलग चीज हैं जो आपस में एक दूसरे से गहरा ताल्लुक रखती हैं। मनं और मस्तिष्क में से अगर कोई भी एक अस्वस्थ है तो वहां दोनों का बीमार होना लाजमी है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर मन मस्तिष्क से जुड़े विकारों और बीमारियों से लेकर विश्व भर के लोगों के मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति क्या है तथा मानसिक बीमारियों से बचने के सुझाव और इस गंभीर समस्या के समाधान पर भारत से लेकर तमाम विश्व राष्ट्रों में गंभीर चिंतन मंथन का दौर जारी रहा। मैं अगर आपको यह कह दूं कि आधा हिंदुस्तान या आधा विश्व मानसिक रूप से बीमार है तो हो सकता है कि आपको यह बात सच भी न लगे लेकिन सच इससे भी ज्यादा बड़ा है। मानसिक अवसाद का संत्राप झेल रहे समाज के कुछ योगी और साधु-संतों के अलावा चंद्र विरले ही लोग ऐसे होंगे जो मानसिक बीमारियों से परे है। अगर आप कुछ लोगों से बात करके देखेंगे तो पता चलेगा कि हर दूसरे व्यक्ति के अंदर मानसिक रोग के लक्षण मिल जाएंगे। नींद न आना, किसी भी छोटी सी छोटी बात पर कई दिनों तक सोचते रहना। जिन कामों और बातों से आपका कुछ लेना-देना नहीं है उन पर लगातार चिंतन करते रहना। किसी से बात न करने का मन न करना, बिस्तर पर घंटों लेटे रहने के बाद भी नींद न आना, कोई ऐसी समस्या सामने न होने पर भी जिसका समाधान न हो सके, करने के बारे में सोचना। बिना वजह गुस्सा आना, हत्या या आत्महत्या पर बार-बार सोचना, बैठे-बैठे शरीर के अंगों या अंग का हरकत में रहना, पैर हिलाना, कूड़ा देखकर कुरदना शुरू कर देना। भीड़ में जाने से डरना, पानी में डूबने से डरना, अंधेरे कमरे में बंद रहना, सड़क पर जाते हुए एक्सीडेंट का भय बना रहना, किसी परिजन के घर से बाहर होने पर अनिष्ट की आशंका से घिरे रहना, न जाने कितनी शंकाओं और आशंकाओं से मन और मस्तिष्क का घिरे रहना, एक नहीं बहुत सारी बातें हैं जो यह बताने के लिए काफी होती है कि आप मानसिक बीमारियों से ग्रसित हैं है। देश में हर साल लाखों लोग अवसाद के कारण आत्महत्या कर लेते हैं या फिर आत्महत्या का प्रयास करते हैं। कई लोगों के मानसिक रोग पर उन्हें उचित इलाज या काउंसलिंग न मिलने के कारण पागल होने की स्थिति में पहुंचा देते हैं। आदमी के पास उसका मन और मस्तिष्क ही ऐसे दो बेशकीमती अंग है जो महानता और निकृष्टता की हदों तक पहुंचता है अगर मन चंगा रहता है फिर मानव जीवन में सरसता की गंगा को हिलोरे मारने से कोई नहीं रोक सकता है। मन की स्वास्थ्यता आपके मस्तिष्क को सोच की चरम उत्कृष्ट स्थिति तक ले जा सकती है जहां मान है, सम्मान है, शिव है और सुंदरता है। एक खास बात यह है कि कोई भी व्यक्ति अपने मन को कैसा रखना चाहता है यह उसके खुद के ऊपर ही निर्भर करता है जैसे यह सत्य है कि किसी मानसिक रोगी का तब तक स्वस्थ्य होना संभव नहीं है जब तक वह स्वयं स्वस्थ होना नहीं चाहेगा। मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त रखने के लिए हम सभी को स्वयं को जागृत रखना होगा तभी हमारा समाज इस जीवन की आपाधापी के दौर स्वस्थ रह सकेगा।

तनूनपात्पवमानः शृङ्गे शिशानो अर्षति।
अन्तरिक्षेण रारजत् (ऋग्वेद ९-५-२)

हे सबको पवित्र करने वाले पवमान परमेश्वर ! जो स्वयं प्रकट, सर्वत्र व्यापक, अविनाशी, और सभी लोकों को सुशोभित करते हैं। आप हमें भी पवित्र कीजिए।

God, who purifies everyone! Who is self&manifested, omnipresent, indestructible and beautifies all the worlds- O God! Purify us also-(Rig Ved 9&5&2)

दुनियां की अनोखी बेल है गिलोय

लोकेंद्र सिंह बिष्ट

पेड़ पर चढ़ने के बाद अगर किसी ने नीचे जड़ से गिलोय को काट लिया तो पेड़ों पर अवशेष बची गिलोय की बेल जीवित रहने के लिए ऊपर से नीचे जमीन की ओर अपनी जड़े भेजती हैं। पतली पतली रस्सी की तरह पेड़ से नीचे जमीन की ओर पहुंचने पर ये जड़े जमीन में धंस जाती है और ऊपर पेड़ में बची गिलोय की टहनियों को पोषण भेजती हैं। इस अपकमव में यही दिखाने का मैं प्रयास कर रहा हूं। पाव बरसाली जाते हुए एक पेड़ से ऊपर से नीचे की ओर बहुत सारी गिलोय की जड़े जमीन की ओर लटक रही हैं, जो जमीन में धंसने के बाद ऊपर लटक रही बची हुई गिलोय को फिर से पोषण देकर पुनर्जीवित करेंगी। हैं न अद्भुत प्रकृति का करिश्मा।।

गिलोय (अंग्रेजी:टीनोस्पोरा कार्डीफोलिया) (अन्य नाम - गुच्छ) की एक बहुवर्षिय लता होती है। इसके पत्ते पान के पत्ते की तरह होते हैं। आयुर्वेद में इसको कई नामों से जाना जाता है यथा अमृता, गुडुची, छिन्नरुहा, चक्रांगी, आदि। बहुवर्षायु तथा अमृत के समान गुणकारी होने

से इसका नाम अमृता है। आयुर्वेद साहित्य में इसे ज्वर की महान औषधि माना गया है एवं जीवन्तिका नाम दिया गया है।

गिलोय की लता जंगलों, खेतों की मेड़ों, पहाड़ों की चट्टानों आदि स्थानों पर सामान्यतः कुण्डलाकार चढ़ती पाई जाती है। नीम, आम्र के वृक्ष के आस-पास भी यह मिलती है। जिस वृक्ष को यह अपना आध ार बनाती है, उसके गुण भी इसमें समाहित रहते हैं। इस दृष्टि से नीम पर चढ़ी गिलोय श्रेष्ठ औषधि मानी जाती है।

इसका काण्ड छोटी अंगुली से लेकर अँगूठे जितना मोटा होता है। बहुत पुरानी गिलोय में यह बाहु जैसा मोटा भी हो सकता है। इसमें से स्थान-स्थान पर जड़ें निकलकर नीचे की ओर झूलती रहती हैं। चट्टानों अथवा खेतों की मेड़ों पर जड़ें जमीन में घुसकर अन्य लताओं को जन्म देती हैं। गिलोय का उपयोग विभिन्न बीमारियों से लड़ने एवं रोग प्रतिरोधक क्षमताा बढ़ाने कियाा जाता है।

चोरी के सामान सहित एक गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने चोरी का खुलासा करते हुए एक व्यक्ति को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना डोईवाला पर गत दिवस अरविंद सिंह पुत्र सुबेग सिंह निवासी माजरीग्रान्ट वार्ड नंबर लालतप्पड डोईवाला के घर पर 08 अक्टूबर की रात्रि में चोरी हो गयी थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आज गैस गोदाम वाली रोड़ के पास जीवनवाला, डोईवाला से आरोपी को चोरी के समान के साथ गिरफ्तार कर किया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम बलवन्त सिह बिष्ट पुत्र अवतार सिह बिष्ट निवासी कोटी अठूरवाला जौलीग्रान्ट डोईवाला बताया।

नौकरानी लेकर भागी लाखों की नगदी और कीमती सामान

संवाददाता

देहरादून। घर में काम करने वाली नौकरानी एक लाख 35 हजार रूपये की नगदी, घडियां व कीमती सामान लेकर फरार हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार साकेत कालोनी निवासी डा. ओपी कुलश्रेष्ठ ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने विज्ञापन के माध्यम से घर के कार्यों यथा झाड़ू पोछा बर्तन धोना व खाना बनाना के लिए 26 सितम्बर को एक महिला को रखा था। रहने के लिए अलग से कमरा दिया था। इस महिला ने बताया कि उसका बोलचाल का नाम सोनम तथा वास्तविक नाम प्रमिला चौधरी है। वह भरतपुर राजस्थान शहर कोतवाली के पास की रहने वाली है तथा उसकी शादी हाथरस उत्तर प्रदेश मुरसान के पास कजरौठ के गांव में हुई थी। उसने अपने पति का नाम राकेश चौधरी बताया जो अपने मां-बाप के साथ बल्लूपुर चौक के पास रहता है।

महिला की इन बातों पर विश्वास कर उसे काम पर रख लिया। महिला 8 अक्टूबर को शाम के समय बिना बताए अपना सामान आदि लेकर घर के पिछले दरवाजे से भाग गई। संदेह होने पर जब घर का सामान चैक किया तो मालूम पड़ा कि लगभग एक लाख पैंतीस हजार रूपये कुछ घड़ियां व अन्य सामान गायब है। उसनेमहिला के फोन नंबर पर जब संपर्क करने का प्रयास किया तो वह बंद मिला।

संघर्ष समिति ने मनाया महानायक अमिताभ बच्चन का जन्मदिन

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने सदी के महानायक अमिताभ बच्चन का जन्मदिन मनाया।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के कार्यालय कावली रोड पर आज सदी के महानायक अमिताभ बच्चन का जन्मदिन मनाया गया तथा उनकी लंबी उम्र की कामना की गई। इस मौके पर उनके प्रशंसक और समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और आरिफ वारसी ने कहा कि अमिताभ जैसे कलाकार बहुत कम पैदा होते है। अमिताभ बच्चन ने फिल्म क्षेत्र के अलावा सामाजिक क्षेत्र में और राजनीतिक क्षेत्र में भी महत्व पूर्ण कार्य किए है। प्रभात डंडरियाल ने बताया कि अमिताभ ने राजनीति के महायोद्धा स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा को इलाहाबाद लोकसभा चुनाव में हरा दिया था। उन्होंने वहां लाखों वोटो से जीत दर्ज करके इतिहास बनाया था। बच्चन की लंबी उम्र की कामना करने वालों में प्रभात डंडरियाल, आरिफ वारसी, प्रदीप कुकरेती, विपुल नौटियाल, रंजीत जोशी, अतुल शर्मा, पारस यादव ,जय बिष्ट, सुशील विरमानी, संदीप गुप्ता, सुरेश कुमार, आदि अनेक लोग उपस्थित रहे।

जातिगत सर्वेक्षण: बिहार में पिछड़ों की आबादी 63 फीसदी

बिहार में जातिगत सर्वेक्षण के आंकड़े जारी कर दिए गए हैं। हालांकि इससे जुड़ा मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है लेकिन चूंकि आंकड़े जारी करने पर कोई रोक नहीं थी तो सरकार ने इसे जारी कर दिया। इसके मुताबिक बिहार में पिछड़ों की आबादी 63 फीसदी है, जिसमें 36 फीसदी अत्यंत पिछड़े हैं और 27 फीसदी पिछड़ी जातियां हैं। इसमें मुस्लिम पिछड़ों की संख्या शामिल है। हिंदू सवर्णों की आबादी महज साढ़े 10 फीसदी है और अनुसूचित जाति व जनजातियों की आबादी करीब 22 फीसदी है। कुल मुस्लिम आबादी 17.7 फीसदी है, जिसमें करीब पांच फीसदी सवर्ण हैं।

जाति गणना के आंकड़े से एक बाद स्थापित हुई है कि लालू प्रसाद का मुस्लिम-यादव समीकरण बहुत मजबूत है। मुस्लिम आबादी 17.7 और यादव आबादी 14.2 है। इस लिहाज से लालू प्रसाद का समीकरण 32 फीसदी वोट का है। लेकिन सबसे ज्यादा फायदा नीतीश कुमार को होता दिख रहा है। नीतीश बिहार में अति पिछड़ों के सबसे बड़े और संभवतः इकलौते नेता हैं। हालांकि उनकी अपनी जाति कुर्मी पिछड़ी जाति में आती है, जिसका 2.86 फीसदी वोट है। वे कोईरी और धानुक की राजनीति भी करते हैं क्योंकि ये ये दोनों जातियां उनके समीकरण में आती हैं। इन दोनों की साझा आबादी छह फीसदी से कुछ ज्यादा है।

कर्पूरी ठाकुर ने सबसे पहले पिछड़ों और अति पिछड़ों को अलग करके दोनों के लिए अलग अलग आरक्षण की व्यवस्था की थी। लालू प्रसाद और राबडी देवी के राज में राजद ने इस फॉर्मूले पर ध्यान नहीं दिया। लेकिन नीतीश ने बहुत होशियारी से इसे आगे बढ़ाया। बिहार में उन्होंने अति पिछड़ों को 18 फीसदी आरक्षण दिया और पिछड़ों को 12 फीसदी। नीतीश ने दलित के भीतर भी महादलित का एक अलग वर्ग बनाया। बिहार में दलित आबादी 20 फीसदी के करीब बताई गई है, जिसमें दुसाध और उसकी उप जातियां पांच फीसदी से कुछ ज्यादा हैं। नीतीश की सरकार ने इस जाति को छोड़ कर बाकी सबको महादलित में रखा है, जिनका वोट 15 फीसदी के करीब है। इसमें तीन फीसदी के करीब मुसहर हैं, जिनके नेता जीतन राम मांझी हैं, जो अभी भाजपा के साथ हैं। सो, मोटे तौर पर 10 से 12 फीसदी दलित वोट के नेता भी नीतीश ही हैं।

इस तरह से नीतीश 36 फीसदी अति पिछड़ा, सात फीसदी के करीब कोईरी-कुर्मी और 10 से 12 फीसदी दलित मतदाताओं में पहली पसंद होंगे। अगर मंडल की पार्टियों में से किसी नेता को चुनना होगा तो साढ़े 10 फीसदी सवर्ण मतदाताओं का बड़ा हिस्सा नीतीश को पसंद करेगा। इस लिहाज से जाति गणना के दांव से नीतीश ने अपनी स्थिति बहुत मजबूत की है। राजद और कांग्रेस को उनकी जरूरत है तो भाजपा भी इन आंकड़ों की रोशनी में नीतीश के बारे में गंभीरता से विचार करेगी। सो, अब नीतीश के दोनों हाथों में लड्डू है। बिहार की राजनीति में अप्रासंगिक होते होते कैसे उन्होंने अपने को राजनीति के केंद्र में स्थापित किया यह उसकी मिसाल है।(आरएनएस)

मालदीव में राष्ट्रपति चुनाव से बढ़ी भारत के लिए चुनौती

नव-निर्वाचित राष्ट्रपति मोइज्जू के मुख्य सलाहकार ने चुनाव नतीजा आने के बाद एक भारतीय वेबसाइट से यह दो टूक कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा दांव है और मालदीव की अगली सरकार इस हकीकत को स्वीकार करते हुए अपनी नीति बनाएगी।

मालदीव में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे से भारत के लिए कूटनीतिक चुनौती बढ़ी है। लेकिन इसे भारत की पराजय के रूप में देखना सही नहीं होगा। पहली बात तो यह कि किसी चुनाव का नतीजा किसी एक मुद्दे से तय नहीं होता है। फिर यह जरूरी नहीं होता कि चुनाव जीतने के लिए कोई पार्टी जिस मुद्दे पर लोगों की भावनाओं को उकेरती है, उसे वह अपनी नीति का भी हिस्सा बनाए। नव-निर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू के मुख्य सलाहकार ने चुनाव नतीजा आने के बाद एक भारतीय वेबसाइट से यह दो टूक कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा दांव है और मालदीव की अगली सरकार इस हकीकत को स्वीकार करते हुए अपनी नीति बनाएगी। मुमकिन है कि वह चीन के प्रति भी अपेक्षाकृत अधिक दोस्ताना रुख रखे। संभव है कि वहां रफ्तार खो चुकी चीनी परियोजनाएं फिर से तेज गति से चलने लगें। इसके बावजूद भारत ने मालदीव में जिस बड़े पैमाने पर निवेश किया है, उसे नजरअंदाज करना नई सरकार के लिए संभव नहीं होगा।

मोइज्जू की प्रोग्रेसिव पार्टी ने 'इंडिया आउट' अभियान मुख्य रूप से भारतीय सुरक्षाकर्मियों को मालदीव से निकालने के लिए चलाया था। उसे आपत्ति इस बात से है कि भारत ने 2018 में हेलीकॉप्टरों का जो तोहफा दिया था, उनके संचालन की ट्रेनिंग के लिए गए भारतीय सुरक्षाकर्मी आज भी वहां मौजूद हैं। इस मुद्दे पर भारत को बदले हालात के मुताबिक लचीला रुख अपनाना चाहिए।

अगर किसी देश की सरकार अपने विदेश संबंध में कई देशों को अहमियत देना चाहती है, तो उसके इस अधिकार का सम्मान करना सही नीति होगी। ऐसा रुख भारत के लिए मालदीव में नया सद्भाव पैदा करेगा। वैसे भी उचित कूटनीति वही होती है जिससे किसी देश के सभी राजनीतिक पक्षों के साथ दोस्ती बनी रहे। यह रुख संबंध को टिकाऊ और मजबूत बनाता है। आखिर यह धारणा क्यों बनी रहनी चाहिए कि भारत का झुकाव मालदीव की किसी एक पार्टी के पक्ष में ज्यादा है? (आरएनएस)

एप्पल साइडर सिरका से फ्रीजी बालों से मिलेगा छुटकारा

फ्रिज़ी बाल सभी प्रकार के बालों के लिए सबसे बड़ी समस्याओं में से एक हैं। जब आप घर से बाहर निकलते हैं तो पहले अपने बालों को सही दिखने के लिए बहुत प्रयास करते हैं। लेकिन केवल 2 मिनट बाद जब आप किसी दुकान की खिड़की पर अपना प्रतिबिंब देखते हैं तो आप देख सकते हैं कि आपके बाल एक चिड़िया का घोंसला हो गए हैं। इसकी वजह फ्रिज़ी बाल होते हैं, और हम में से बहुत सारे लोग हैं, जो इस परेशानी से हर दिन लड़ते हैं और अपने बालों की प्राकृतिक बनावट को दोष देते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है फ्रिज़ी बाल बस थोड़ी ज्यादा देखभाल मांगते हैं और इस समस्या से निपटने के लिए आपको किसी महंगे हेयर प्रोडक्ट्स की जरूरत नहीं है, बल्कि आपकी रसोई में रखे कुछ सामान आपकी मदद कर सकते हैं। तो चलिए हम आपको बताते हैं रूखे और बेजान बालों को चमकदार और मुलायम बनाने के लिए किन-किन सामग्रियों का इस्तेमाल करना होगा।

एप्पल साइडर सिरका घुंघराले बालों के लिए सबसे अधिक घरेलू उपचार में से एक है। एप्पल साइडर सिरका एक प्रकार का सिरका है जो सेब या साइडर से बनाया जाता है। यह पोटेशियम और एसिटिक एसिड से समृद्ध है। एप्पल साइडर विनेगर में मौजूद एसिड फ्रिज़ की मरम्मत करेगा और क्षतिग्रस्तबालों को नया जीवन देगा। अपने बालों को शैम्पू करने के तुरंत बाद, पानी की समान मात्रा में एप्पल साइडर सिरका मिलाएं। इसे हाथों की मदद से बालों में लगाएं और 15 मिनट के लिए छोड़ दें। उसके बाद ठंडे पानी से धो लें।

बीयर रूखे और बेजान बालों के लिए बहुत अच्छी है, और इसका उपयोग प्राकृतिक कंडीशनर के रूप में भी किया जाता है। हॉप्स, माल्ट और यीस्ट से तैयार होने के कारण, इसमें कई पौष्टिक पोषक तत्व, विटामिन और खनिज होते हैं जो बालों के लिए बहुत अच्छे हैं। यह सबसे प्रभावी एंटी-फ्रिज़ उपचार में से एक है। अपने बालों को धोने के बाद, इसे बीयर से धोएं और 2-3 मिनट के लिए छोड़ दें। उसके बाद, बीयर की गंध को दूर करने के लिए 4-5 बार ठंडे पानी से बालों को धो लें। इससे आपके बाल बाउंसी और शाइनी हो जाएंगे।

बालों के लिए घर पर बने सबसे अच्छे ब्यूटी टिप्स में अंडे शामिल होने चाहिए। अंडे विटामिन डी, विटामिन ई, विटामिन के, विटामिन बी 6, विटामिन ए, कोलेजन, कैल्शियम, फोलेट, फॉस्फोरस और सेलेनियम से भरपूर होते हैं। अंडे सबसे अच्छी गुणवत्ता वाला प्रोटीन प्रदान करते हैं, हमारी हड्डियों की रक्षा करते हैं और स्वस्थ बालों और नाखूनों को बढ़ावा देते हैं। एक चम्मच बादाम का तेल और एक अंडे की जर्दी मिलाएं। मिश्रण को पूरे बालों में लगाएं। इसे 30 मिनट के लिए छोड़ दें और इसके बाद पानी से धो लें।

एवोकैडो आधारित हेयर मास्क फ्रिज़ी बालों के लिए सबसे प्रसिद्ध हेयर मास्क में से एक है। एवोकैडो विटामिन ई से भरपूर होता है, जो फ्रिज़िनेस को ठीक करने में मदद करता है, और यह त्वचा की कोशिकाओं को ऑक्सीकरण से भी बचाता है। यह ओमेगा 3 फैटी एसिड का एक बड़ा स्रोत है जो घुंघराले और क्षतिग्रस्त बालों को सुधारने में मदद करता है। ओमेगा 3 फैटी एसिड आवश्यक फैटी एसिड माना जाता है। 1 कप मेयोनेज़ और आधा एवोकैडो से एक पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को अपनी उंगलियों से अपने बालों पर लगाएं। 30 मिनट के लिए छोड़ दें और उसके बाद बालों को शैम्पू करें।

केला विटामिन ए, सी और ई, प्राकृतिक तेलों, कार्बोहाइड्रेट, पोटेशियम, जस्ता और लोहे का एक बड़ा स्रोत है। यह रूखे बेजान बालों को ठीक करने में मदद करता है। यह बालों को चमकदार और मुलायम बनाता है। एक केला, 3 बड़े चम्मच दही, गुलाब जल की कुछ बूंदें और एक चम्मच नींबू का रस मिलाएं। अपने बालों पर हेयर पैक लगाएं। इसे 60 मिनट के लिए छोड़ दें और उसके बाद ठंडे पानी से धो लें।

शहद, रूखे और बेजान बालों के लिए सबसे प्रसिद्ध घरेलू उपचारों में से एक है। यह एंटीऑक्सिडेंट से समृद्ध है। शहद घुंघराले और क्षतिग्रस्त बालों के लिए बेहद फायदेमंद है। यह एक प्राकृतिक मॉइस्चराइज़र और हेयर कंडीशनर के रूप में कार्य करता है, जिससे बाल नरम और शाइनी हो जाते हैं। 4-5 चम्मच दूध के साथ दो बड़े चम्मच शहद मिलाएं। अपनी उंगलियों का उपयोग करके इसे बालों पर लगाएं। 30 मिनट के लिए छोड़ दें और उसके बाद बालों को शैम्पू करें।

मेहंदी सूखे और घुंघराले बालों के लिए सबसे उपयोगी हर्बल उपचारों में से एक है। 1 कप चाय की पत्ती के पानी में 3-4 चम्मच मेहंदी पाउडर मिलाएं। थोड़ा दही भी डालें और इन सभी को एक साथ मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। पेस्ट को हेयर मास्क की तरह लगाएं और अधिक से अधिक लाभ के लिए रात भर छोड़ दें। सुबह इसे माइल्ड शैंपू के साथ धो लें। (आरएनएस)

रजनीकांत की थलाइवर 170 का पोस्टर जारी

मेगास्टार रजनीकांत की थलाइवर 170 का पोस्टर जारी कर दिया गया है। पोस्टर जारी करते हुए प्रोडक्शन ने इसकी शूटिंग की शुरुआत की घोषणा कर दी है। पोस्टर में तमिल सुपरस्टार को दिखाया गया है, जिन्हें थलाइवर भी कहा जाता है। वह इसमें गैंगस्टर शैली के खतरनाक लुक में हैं। उम्र छिपाने की कोई कोशिश नहीं करते हुए, रजनीकांत एक खतरनाक बूढ़े व्यक्ति की तरह दिखते हैं। मोनोक्रोम पोस्टर में जेलर अभिनेता को उनकी 2016 की गैंगस्टर-एक्शन फिल्म कबाली के समान लुक में दिखाया गया है, जो एक बहुत ही स्टाइलिश काले सूट, थोड़ी कटी हुई दाढ़ी और काले चश्मे के साथ है। उन्होंने आगे कहा, हमारे सुपरस्टार रजनीकांत और थलाइवर 170 के शानदार कलाकारों केसाथ टीम पूरी तरह से उत्साहित है और रोल करने के लिए तैयार है। फिल्म का अपना बीजीएम अभी निर्माणाधीन है, हालांकि यह कबाली की हार्ड रॉक थीम के समान लगता है और इसमें कुछ औद्योगिक नमूनों के साथ हेवी मेटल संगीत के समान ध्वनि डिजाइन की सुविधा होगी।

दिवाली पर रिलीज होगी मोस्ट अवेटेड टाइगर-3

टाइगर 3 सलमान खान की मोस्ट अवेटिड फिल्म है। इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। टाइगर 3 का इंतजार अब कम होता जा रहा है और ये फिल्म दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। सलमान खान ने हाल ही में टाइगर 3 का टीजर रिलीज किया था और अब ट्रेलर की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। टाइगर 3 के ट्रेलर की जानकारी यशराज फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है।

टाइगर 3 वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा-टाइगर 3 ट्रेलर 16 अक्टूबर को दहाड़ने के लिए तैयार है। टाइगर 3 दिवाली पर सिनेमाघरों में आ रही है। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज होगी।

टाइगर 3 का टीजर 27 सितंबर को रिलीज किया गया है। जिसमें सलमान का दमदार लुक दिखाया गया है। वह टीजर में कहते हैं कि मेरा नाम अविनाश सिंह राठौड़ है। पर आप सबके लिए मैं टाइगर हूं। 20 साल अपना सबकुछ इंडिया की हिफाजत में लगा दिया। बदले में कुछ नहीं मांगा पर आज मांग रहा हूं। आज आप सबको ये बताया जा रहा है कि टाइगर आपका दुश्मन है। टाइगर गद्दार है। टाइगर दुश्मन नंबर वन है तो 20 साल की इंडिया की सर्विस के बाद में अपना कैरेक्टर सर्टिफिकेट मांग रहा हूं।मेरे बेटे को मैं नहीं इंडिया बोलेगा कि उसका बाप क्या था। गद्दार या देशभक्त।।।जिंदा रहा तो आपकी खिदमत में फिर हाजिर नहीं तो जयहिंद।

टाइगर 3 की बात करें तो इसमें सलमान खान के साथ कैटरीना कैफ, इमरान हाशमी लीड रोल में नजर आने वाले हैं। इमरान फिल्म में नेगेटिव किरदार में नजर आने वाले हैं। फिल्म को मनीष शर्मा ने डायरेक्ट किया है।(आरएनएस)

मंदी की गिरफ्त में जा चुका है ड्रेगन

श्रुति व्यास

ड्रेगन लस्त-पस्त हो चला है। चीन की अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही है। उसके उद्यमों का कुल काम देश की जीडीपी से भी ज्यादा हो गया है। रियल एस्टेट कारोबार ढह रहा है। वहां के प्रापर्टी बाज़ार के शहंशाह एवरग्रांड की हालत उसके दो बड़े अधिकारियों की हिरासत के बाद से खराब है। ब्याज दरें घटाने के बाद भी उद्यमी काम नहीं ले रहे हैं। और धन के प्रवाह के डाटा से पता चलता है कि चीनी कारोबारों के वित्तीय घाटे में हाल के वर्षों में गिरावट आई है। खबरों के अनुसार कम से कम बैलेंसशीट की दृष्टि से चीन मंदी की गिरफ्त में जा चुका है। बूढ़ी होती जनता और अन्य देशों से तनावपूर्ण रिश्तों के बीच चीन के लिए चारों तरफ अँधेरा नजर आ रहा है। इसके नतीजे में चीन की अर्थव्यवस्था पर जनता का भरोसा अपने सबसे निचले स्तर तक पहुंच चुका है। वे खर्च करने और निवेश करने दोनों में हिचकिचा रहे हैं। इसकी बजाए अपना पैसा बैंक में रखना पसंद कर रहे हैं। वे रियल एस्टेट खरीदना नहीं चाहते, जो एक समय अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा था। एवरग्रांड पहले से ही दिवालियेपन की कगार पर है, और अन्य प्रापर्टी डेवलपर भी इसी दिशा में बढ़ रहे हैं। प्रापर्टी डेवलपर्स के शेयरों में 7.1 प्रतिशत की गिरावट आ गई है।

चीन के विकास का श्रेय काफी हद तक रियल एस्टेट व्यापार को दिया जा सकता है। प्रापर्टी व्यवसाय का चीन की अर्थव्यवस्था में 3० प्रतिशत का योगदान था, जो रोजगार का बड़ा जरिया था और जिसमें चीन का मध्यम वर्ग अपनी बचत का निवेश करता था। स्थानीय सरकारों को भी ज़मीन की खरीदी-बिक्री से राजस्व मिलता था। इस तरह प्रापर्टी व्यवसाय, बैंकिंग क्षेत्र और स्थानीय सरकारों के कर्जे एक दूसरे से जुड़े हुए थे। इस संकट के आने के पहले कई वर्षों तक ज़मीनों के बिकने से प्राप्त होने वाली राशि स्थानीय सरकारों की आय का सबसे बड़ा हिस्सा होती थी जिसका कुल आय में योगदान 2० से 3० प्रतिशत के बीच होता था। रियल एस्टेट डेवलपर्स सरकार से जमीन खरीदते थे, जो ज्यादातर मामलों में बैंकों से कर्ज लेकर खरीदी जाती थी। बैंकों को पता रहता था कि जो क?ं वे दे रहे हैं वह आसानी से वापस आ जायेगा और चीनी निवेशकों को इसमें निवेश फायदे का सौदा लगता था। स्थानीय सरकारें भी भविष्य में होने वाले भूमि विक्रय के आधार पर कर्ज ले लेती थीं। इस तंत्र से जुड़े व्यक्ति भी एक-दूसरे से जुड़े रहते थे- डेवलपर, बैंककर्मी और सरकारी अधिकारी मिलते-बैठते थे और इसके हर चरण में भ्रष्टचार होता था। यहां तक कि इसे लेकर संगठित अपराध भी होते थे। यह सिर्फ परिवारों द्वारा मकान खरीदने में निवेश तक सीमित नहीं था बल्कि कई कंपनियां, जिनके पास अतिरिक्त धन होता था, वे उसे अपने व्यवसाय में लगाने के बजाए रियल एस्टेट में निवेश करती थीं क्योंकि इसमें बहुत अधिक फायदा होता था।

चीनी अधिकारी आम लोगों को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। अब तक सरकारी संस्थाओं के निशाने पर रियल एस्टेट कंपनियां और बैंकों के अधिकारी रहे हैं। लेकिन इस गिरावट के लिए असली दोषी राजनीति है। परंपरागत रूप से अर्थव्यवस्था संबंधी जिम्मेदारियां चीन के दूसरे सबसे शक्तिशाली व्यक्ति प्रधानमंत्री को निभानी होती हैं। और वर्तमान प्रधानमंत्री ली चांग अपेक्षाकृत कमजोर हैं। मार्च में नियुक्त हुए चांग इस पद तक केवल राष्टपति शी जिनपिंग की मेहरबानी से पहुंचे हैं। देश की संपन्नता कायम रखना उनकी जिम्मेदारी है। लेकिन मोटे तौर यह लक्ष्य अक्सर देश की सुरक्षा के सर्वोच्च लक्ष्य के बाद दूसरे स्थान पर आता है। ली उत्साह से भरे और जानकार व्यक्ति हैं लेकिन वे स्टेट काउंसिल (चीन के मंत्रिमंडल) को केवल पार्टी के विचारों के कार्यान्वयन की एजेंसी के रूप में देखते हैं, विचारों के स्त्रोत के रूप में नहीं। एक समय फलते-फूलते आवासीय सेक्टर के एक बुलबुले की तरह फूटने की स्थिति में आ जाना इसका एक बड़ा उदाहरण है। शी जिनपिंग ने कहा था ''घर रहने के लिए है, सट्टेबाजी के लिए नहीं卐।काउंसिल ने राष्टपति की इस टिप्पणी के आधार पर उग्र वैचारिक अभियान शुरू कर दिया।

जब शी जिनपिंग ने सन् 2०12 में सत्ता संभाली तब चीन अजेय था, उसकी अर्थव्यवस्था की वृद्धि जबरदस्त गति से हो रही थी। यह वृद्धि आवासीय सेक्टर की बदौलत थी, जो बीजिंग के अधिकारियों के नेतृत्व में नहीं हो रही थी वरन् इसका श्रेय स्थानीय सरकारों को जाता था। लेकिन जैसे-जैसे शी शक्तिशाली होते गए इस माडल की चमक कमज़ोर पडने् लगी। पहले केन्द्र सरकार द्वारा लगाए गए कड़े वित्तीय प्रतिबंधों के भीतर रहते हुए स्थानीय संस्थाओं के बीच कड़ी प्रतियोगिता होती थी। अब ऐसा नहीं है।

शी ने स्थानीय सरकारों पर अधिक सख्त वित्तीय नियम लाद दिए हैं। नतीजा यह कि अब वे अर्थव्यवस्था को एक फिर धक्का देकर रीस्टार्ट करने की स्थिति में नहीं है। चीन के मंदी के एक लंबे दौर में जाने का खतरा इसलिए नहीं है कि निजी क्षेत्र निवेश नहीं करना चाहता बल्कि इसलिए है कि केन्द्र सरकार अपनी बैलेंस शीट को खराब करना नहीं चाहती। इसका सबसे बुरा नतीजा एवरग्रांड जैसे बड़े प्रापर्टी डेव्लपर्स को भुगतना पड़ेगा क्योंकि रियल स्टेट की तबाही के लिए स्थानीय सरकारों के अधिकारियों को कठघरे में खड़ा किया जाएगा। ये अधिकारी एक-दूसरे पर दोष मढेंगे - और ज्यादा बड़ी संख्या में लोग जेल की सलाखों के पीछे भेजे जाएंगे। चीनी ड्रेगन हांफने लगा है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

बिना वजह बार-बार अल्ट्रासाउंड कराना गर्भस्थ शिशु के लिए ठीक नहीं

गर्भावस्था एक संवेदनशील अवस्था होती है जिसमें मां और बच्चे का स्वास्थ्य बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। गर्भावस्था के दौरान अल्ट्रासाउंड टेस्ट मां और बच्चे की स्थिति को ट्रैक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अल्ट्रासाउंड किरणें शरीर के भीतर भेजकर गर्भाशय और गर्भस्थ शिशु की तस्वीरें लेता है। यह गर्भनाल की स्थिति, गर्भस्थ शिशु का विकास, दिल की धड?न आदि को देखने में मदद करता है। गर्भावस्था में कम से कम 3-4 अल्ट्रासाउंड करवाना जरूरी होता है। लेकिन इससे ज्यादा अल्ट्रासाउंड करवाना ठीक नहीं माना जाता है। बिना वजह बार-बार अल्ट्रासाउंड करवाने से बच्चे को नुकसान हो सकता है। उसकी हड्डियों और दिमाग पर असर पड़ सकता है। जानें कब करवाना चाहिए ।।।

पहला अल्ट्रासाउंड- गर्भावस्था के दौरान करवाया जाने वाला पहला अल्ट्रासाउंड बेहद महत्वपूर्ण होता है। आमतौर पर डॉक्टर गर्भाधान के 6 से 8 हफ्ते बाद पहला अल्ट्रासाउंड करवाने की सलाह देते हैं।इस अल्ट्रासाउंड का मुख्य उद्देश्य गर्भ नलिका और गर्भस्थ शिशु की स्थिति की जांच करना होता है। यह जांच करता है कि गर्भ नलिका सही जगह पर है या नहीं, गर्भस्थ शिशु का विकास सही हो रहा है या नहीं, गर्भस्थ शिशु की धड?न सामान्य है या नहीं आदि। यदि कोई समस्या हो तो इस अल्ट्रासाउंड से पहले ही पता लगाकर उचित इलाज किया जा सकता है। इसलिए गर्भावस्था के पहले तिमाही में अल्ट्रासाउंड करवाना बेहद ज़रूरी होता है।

दूसरा अल्ट्रासाउंड- गर्भावस्था के 18 से 2० हफ्ते के बीच दूसरा अल्ट्रासाउंड करवाना बहुत जरूरी होता है। इस अवधि में गर्भस्थ शिशु का शारीरिक विकास तेज़ी से होता है और अंग-प्रत्यंग स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगते हैं। दूसरे अल्ट्रासाउंड से गर्भस्थ शिशु के मुख्य अंगों जैसे दिल, दिमाग, किडनी आदि की जांच की जाती है। इससे एनेटल एनोमली यानि जन्मजात विकारों का भी पता लगाया जा सकता है।

तीसरा अल्ट्रासाउंड- गर्भावस्था के 28 से 32 हफ्ते के बीच तीसरा अल्ट्रासाउंड बहुत जरूरी हो जाता है। यह गर्भावस्था का तीसरा त्रैमास होता है जब गर्भस्थ शिशु का विकास तेजी से होने लगता है। तीसरे अल्ट्रासाउंड से गर्भस्थ शिशु के शारीरिक विकास और वजन की निगरानी की जा सकती है। यह जांचा जाता है कि शिशु का वजन उम्र के हिसाब से सही है या नहीं। शिशु के मुख्य अंगों जैसे दिमाग, हृदय, किडनी आदि का विकास सही दिशा में हो रहा है या नहीं। चौथा अल्ट्रासाउंड- गर्भावस्था के 34 से 36 हफ्ते के दौरान चौथा अल्ट्रासाउंड किया जाता है। यह गर्भावस्था का अंतिम चरण होता है जब डिलीवरी का समय नजदीक आ जाता है।चौथे अल्ट्रासाउंड से गर्भस्थ शिशु की स्थिति और प्लेसेंटा की स्थिति की जांच की जाती है। यह देखा जाता है कि बच्चा सही स्थिति में है या नहीं। प्लेसेंटा किस स्थिति में है और पर्याप्त रक्त संचार हो रहा है या नहीं। इससे डिलीवरी से पहले किसी भी जटिलता का पता लगाकर उसका समय रहते इलाज किया जा सकता है। इस प्रकार अंतिम अल्ट्रासाउंड बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -038

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंतःकरण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

1		■	2	■	3		4	■
	■	5				■	6	
7	8		■	■	9		■	■
■	10		■	■	■	■	11	■
12		■	13	■	14			■
	■	15		16		■	17	18
	■		■	19		20	■	
21	22		23		■		■	
■	24			■	25			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 37 का हल

गु	मा	न	■	■	प	यो	द	■
न	■	ह	क	दा	र	■	ल	य
ह	वा	ला	त	■	च	■	द	म
गा	■	■	रा	ज	म	ह	ल	■
र	ई	स	■	ग	■	स	■	अ
■	मा	■	प	त	वा	र	■	ल
ख	न	क	ना	■	ह	त	■	बे
स	दा	■	ह	■	वा	■	शो	ला
रा	र	■	■	■	ही	र	क	■

नये सीजन के साथ वापस आ रहा है कॉफी विद करण

करण जौहर का चैट शो कॉफी विद करण अपने नए सीजन के साथ वापस आ रहा है।करण ने कॉफी विद करण के 8वें सीजन का ऐलान कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक मजेदार वीडियो साझा करते हुए इस खबर की जानकारी दी है।सामने आए वीडियो में करण खुद को रोस्ट करते हुए नजर आ रहे हैं।इसके साथ उन्होंने कॉफी विद करण 8 की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है।

करण ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह कॉफी विद करण 8 का ऐलान करते नजर आ रहे हैं।इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, पता चला, मेरी अपनी अंतरात्मा भी मुझे ट्रोल करना चाहती है, लेकिन वह क्या सोचता है, इस पर ध्यान न दें, मैं अभी भी कॉफी विद करण का सीजन 8 बना रहा हूं। टीजर में करण के दो वर्जन दिखाए गए हैं, एक करण जो टॉक शो होस्ट है और दूसरा कॉनशियस है। करण खुद को रोस्ट करते हुए नजर आ रहे हैं।

इस बार, चैट अधिक तीखी, क्रेजी और स्पष्ट होगी जिससे बहुत सारे खुलासे होंगे। इस सीजन में बातचीत शादियों, एयरपोर्ट लुक्स, सोशल मीडिया पर होगी।

नए सीजन् के बारे में बात करते हुए निर्देशक और शो एंकर करण ने कहा, हम सभी जानते हैं कि आप कॉफी विद करण के नए सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

आपकी इच्छाएं सुनी गई हैं! सीजन 7 से जबरदस्त प्रतिक्रिया और बहुत सारे अनुमानों के बाद, इस सीजन में मैं अपने दोस्तों और आपकी पसंदीदा हस्तियों को कॉफ़ी काउच पर बिना फ़िल्टर वाली बातचीत के साथ उनके सीक्रेट्स उगलवाऊंगा।

उन्होंने आगे कहा, डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर वापस आते हुए, कॉफी विद करण का नया सीजन बेहिचक चैट, कंपीटिटिव रैपिड फायर और बहुत सारी बातचीत से भरा होगा, जो हम सभी को पसंद है! तो इंतजार क्यों करें आइए कॉफी विद करण सीजन 8 बनाएं।

कॉफी विद करण 8 का प्रसारण 26 अक्टूबर से ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी+ हॉटस्टार पर किया जाएगा।(आरएनएस)

सोफिया ने व्हाइट ब्रालेट में शेयर की बोल्ड तस्वीरें

इंटरनेट सेंसेशन बन चुकी डिजिटल क्रिएटर एंड एक्ट्रेस सोफिया अंसारी अपनी बोल्ड अदाओं की वजह से चर्चा में रहती हैं। अदाकारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर खासा एक्टिव रहती हैं। अब हाल ही में अदाकारा सोफिया अंसारी ने जालीदार व्हाइट ब्रालेट में अपनी बोल्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में अदाकारा सोफिया अंसारी बोल्डनेस के साथ मस्ती भरे अंदाज में फैंस को रिझाती दिखीं।

ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही सुर्खियों में आ गई। सोफिया अंसारी की इन तस्वीरों पर फैंस भी जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। सोफिया अंसारी ने हाल ही में अपना बोल्ड अवतार सामने आई लेटेस्ट तस्वीरों में दिखाया हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस अपनी बोल्डनेस से फैंस को हैरान करती दिखीं। अदाकारा सोफिया अंसारी अपनी इन बोल्ड तस्वीरों में परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट किया है। जिस पर फैंस की भी नजरें टिकी रह गईं। जालीदार व्हाइट ब्रालेट टॉप में एक्ट्रेस सोफिया अंसारी ने किलर पोज मारे। इन तस्वीरों में वो खूब मस्ती करती भी दिखीं।

अदाकारा सोफिया अंसारी ने ब्रालेट टॉप में ढेर सारी बोल्ड तस्वीरें क्लिक करवाई थीं। जिनकी तस्वीरें आप यहां देख सकते हैं। अदाकारा सोफिया अंसारी अपनी बोल्ड तस्वीरों से अक्सर फैंस का ध्यान खींच लेती हैं। अदाकारा की ये तस्वीरें आग की तरह वायरल होती हैं। अदाकारा सोफिया अंसारी ने रेड एंड ब्लैक ब्रालेट में भी बोल्ड और कातिलाना फिगर फ्लॉन्ट करती नजर आई। अदाकारा की ये तस्वीरें भी खूब वायरल हुई थीं।

अदाकारा सोफिया अंसारी एक टैटू गर्ल है। एक्ट्रेस ने अपनी बॉडी पर कई टैटूज बनवाए हैं। जिसकी तस्वीरें आते ही वायरल हो गईं। सोफिया अंसारी इंटरनेट सेंसेशन बन चुकी हैं। अदाकारा की फोटोज सोशल मीडिया पर आते ही वायरल होने लगती हैं। अदाकारा सोफिया अंसारी के फॉलोअर्स की संख्या कई लाखों में हैं। यही वजह है कि उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही छाने लगती हैं। (आरएनएस)

फिल्म मिशनगंज को लेकर सुर्खियों में अक्षय

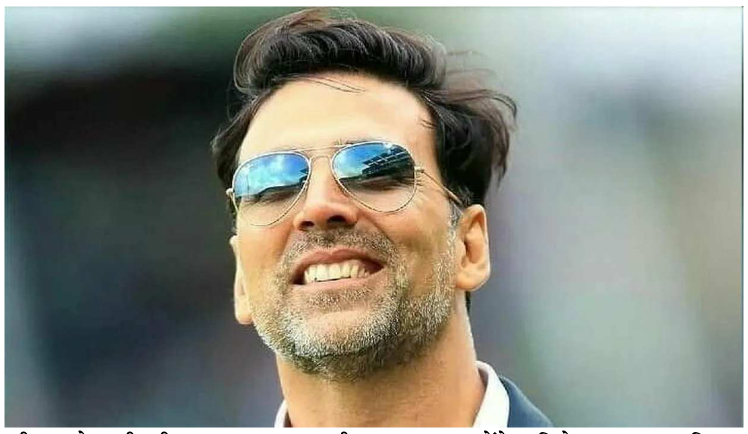

अक्षय कुमार आने वाले दिनों में एक से बढकर एक फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। इन दिनों वह अपनी फिल्म मिशन रानीगंज को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। अब अक्षय ने 2 अक्टूबर यानी गांधी जयंती के खास मौके पर अपनी नई फिल्म स्काई फोर्स का सोशल मीडिया पर ऐलान कर दिया है। उन्होंने एक टीजर जारी कर फिल्म के बारे में जानकारी दी है। आइए जानते हैं अक्षय ने अपने पोस्ट में क्या लिखा।

अक्षय ने टीजर साझा कर लिखा, आज गांधी-शास्त्री जयंती के दिन सारा देश कह रहा है जय जवान,जय किसान,जय विज्ञान,जय अनुसंधान। स्काई फोर्स की अविश्वसनीय कहानी की घोषणा करने के लिए आज से बेहतर कोई दिन नहीं है। भारत के पहले और सबसे घातक हवाई हमले की हमारी अनकही कहानी। कृपया इसे प्यार दें। जय हिंद, जय भारत। उन्होंने यह भी बताया कि जियो स्टूडियोज और दिनेश विजान की यह फिल्म 2 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में उड़ान भरेगी।

यह फिल्म पाकिस्तान के खिलाफ भारत के पहले हवाई हमले में शामिल सभी जवानों की बहादुरी और देशभक्ति को दर्शाएगी। इसी के साथ भारतीय वायु सेना की सबसे बड़ी जीत का जश्न मनाएगी। भारत-पाकिस्तान के बीच 1965 की पहली बड़ी जंग देखने को मिली थी, जिसमें पाकिस्तान के मंसूबे बड़े खतरनाक थे, लेकिन भारत के आगे उसकी एक न चली। इस युद्ध में पाकिस्तान को बड़ी बुरी हार का सामना करना पड़ा था। फिल्म में यही जंग देखने को मिलेगी।

फिल्म में अक्षय एक वायुसेना अधिकारी की भूमिका निभाएंगे।सूत्रों के मुताबिक, स्काई फोर्स के रूप में अक्षय को एक बड़ी हिट फिल्म मिलने वाली है। ओह माय गॉड 2 के बाद यह फिल्म उनका खोया हुआ स्टारडम वापस लाने में बड़ी मददगार साबित होगी और अक्षय एक बार फिर बॉलीवुड में बॉक्स ऑफिस के किंग बनकर उभरेंगे।अभिषेक कपूर इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं।वीर पहारिया इस फिल्म से बॉलीवुड में कदम रख रहे हैं। वीर पहारिया एक बड़े राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता संजय पहारिया हैं, जो बिजनेसमैन हैं। उनके नाना महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे हैं। वीर की उम्र 29 साल है। अभिनेत्री सारा अली खान के साथ उनका नाम जुड़ चुका है।

सुपरस्टार सूर्या की सुपरहिट तमिल फिल्म सोरारई पोटरु के हिंदी रीमेक में भी अक्षय मुख्य भूमिका में हैं। हेरा फेरी 3 अक्षय के खाते से जुड़ी है।इसके अलावा फिल्म मिशन रानीगंज में वह काम कर रहे हैं। (आरएनएस)

इंटरनेट का पारा हाई कर रही हैं भूमि

भूमि पेडनेकर अपने किलर हॉट लुक के कारण इन दिनों काफी चर्चा में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस ने अपनी फिल्मों में हमेशा ही दमदारी अदाकारी से दर्शकों का खूब दिल जीता है। ऐसे में उनकी हर फिल्म के लिए चाहने वाले बेताब रहने लगे हैं। वहीं, एक्ट्रेस की किलर अदाएं भी हर दिन इंटरनेट का पारा हाई कर रही हैं। अब फिर से भूमि ने अपनी अदाओं से सभी का ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं। लेटेस्ट फोटोशूट में भूमि ने चेन पर टिकी ब्रालेट के साथ जालीदार पेंट को पेयरअप किया है। एक्ट्रेस ने बहुत बेबाकी से अपने इस लुक को कैमरे के सामने फ्लॉन्ट किया है।

एक्ट्रेस ने इस लुक को सटल बेस, ग्लॉसी लिप्स और ग्लिटरी स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है। वहीं, उन्होंने बालों को ओपन रखा है और कानों में गोल्ड ईयररिंग्स पहने हैं। भूमि इस लुक में बेहद हॉट और बेबाक दिख रही हैं। फैंस की नजरें उनके किलर लुक पर टिक गई हैं। चाहने वाले उनकी तारीफों के पुल बांधते थक नहीं रहे हैं। खासतौर पर भूमि के कर्वी फिगर ने भी सबका ध्यान खींचा है।

भूमि की आने वाली फिल्मों पर बात करें तो इस समय एक्ट्रेस थैंक्यू फॉर कमिंग को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। इसके अलावा भूमि भक्षक, द लेडी किलर और मेरी पत्नी के रीमेक पर बन रही फिल्मों को लेकर भी काफी सुर्खियों में हैं।

फिल्म चंद्रमुखी को .लेकर चर्चाओं में कंगना

कंगना रनौत इन दिनों अपनी फिल्म चंद्रमुखी 2 को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं, जिसमें वह साउथ के मशहूर सितारे राघव लॉरेंस के साथ नजर आई हैं। इस हॉरर-कॉमेडी के जरिए उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा में कदम रखा है, वहीं अब वह अपनी अगली फिल्म तेजस की रिलीज की तैयारी में जुट गई हैं। पिछले दिनों कंगना ने फिल्म का टीजर साझा करते हुए लिखा, अपने राष्ट्र के प्यार के लिए उड़ान भरने को तैयार! भारत को छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं।टीजर में कंगना एक वायुसेना अधिकारी तेजस गिल की भूमिका में शानदार लग रही हैं। वह एक ऐसी अधिकारी का किरदार निभा रही हैं, जो देश के लिए कुछ भी कर गुजरने को तैयार हैं।

फिल्म तेजस का नाम भारत में बनने वाले हल्के लड़ाकू विमान तेजस के नाम पर रखा गया है। इसमें वायुसेना अधिकारी तेजस गिल की कहानी दिखाई जाएगी। फिल्म में दिखाया जाएगा कि वायुसेना के पायलट देश की रक्षा के लिए किस हद तक जाते हैं और उन्हें किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। कंगना इस फिल्म का हिस्सा बनकर काफी खुश हैं और अपने किरदार को निभाने के लिए उन्होंने कड़ी ट्रेनिंग भी ली है।

कंगना ने फिल्म से नया पोस्टर भी जारी किया और लिखा, जब भी बात देश की आएगी, वो सारी हदें पार कर जाएगी।सर्वेश मेवाड़ा द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म के निर्माता रोनी स्क्रूवाला हैं।

फिल्म में कंगना के साथ अंशुल चौहान, वरुण मित्रा और वीना नायर भी नजर आने वाले हैं।फिल्म पहले 5 अक्टूबर को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाने वाले थी, लेकिन इसकी रिलीज तारीख को आगे बढ़ाकर अब 27 अक्टूबर कर दिया गया है।

तेजस की रिलीज में काफी बार बदलाव हुआ है। बीच में इसकी रिलीज तारीख 20 अक्टूबर तय की गई थी। अगर ऐसा होता तो फिल्म की बॉक्स ऑफिस पर टक्कर टाइगर श्रॉफ और कृति सैनन की फिल्म गणपत से होती, जो उसी दिन रिलीज होगी।

कंगना तेजस के बाद अपनी फिल्म इमरजेंसी लेकर आ रही हैं, जिसमें वह अभिनय के साथ निर्देशन भी कर रही हैं। यह फिल्म 24 नवंबर को रिलीज होगी। उनकी यह फिल्म 1975 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के लगाए गए आपातकाल की घटना पर आधारित होगी, जिसमें अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और मिलिंद सोमन सहित कई सितारे शामिल हैं।इसके अलावा कंगना नोटी बिनोदिनी की बायोपिक का भी हिस्सा हैं।(आरएनएस)

कब बंद होगा रूस-यूक्रेन युद्ध

श्रुति व्यास

पिछले साल की सर्दियों में रूस-यूक्रेन युद्ध चल रहा था। इस साल की सर्दियों में भी चलेगा। किसी को नहीं मालूम कि यह कब तक ख़त्म होगा। पिछले हफ्ते कुछ चौंकाने वाली खबरें मिली। इनके सही होने ही पूरी सम्भावना है। ऐसा लगता है कि युद्ध लडने्, यूक्रेन का साथ देने और पुतिन को हराने का जोश अब उतार पर है। सभी हारे-थके और हैरान-परेशान नजर आ रहे हैं। सभी चाहते हैं कि लड़ाई जल्द से जल्द ख़त्म हो। इनमें पश्चिमी व अन्य देश तो शामिल हैं ही, यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की भी शामिल हैं। रूस पर यह सोच सन् 2०24 के बाद ही हावी होगी।

पिछले सप्ताह यूक्रेन के राष्ट्रपति, संयुक्त राष्ट्रसंघ महासभा को संबोधित करने के लिए न्यूयार्क पहुंचे। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्रसंघ में सुधारों की जरूरत है। उनका तर्क था कि युद्ध ने यह दिखा दिया है कि वीटो की ताकत को कम करना ज़रूरी है। संयुक्त राष्ट्र महासभा को वीटो को ओवरराइड करने का अधिकार मिलना चाहिए और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अपनी मजबूत स्थिति के चलते जिन पांच देशों को सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता हासिल हुई थी, उनके अलावा नए देशों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए।

वे सही कह रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बूढे और थके हुए देश हैं और बदलते दौर में ताज़ा हवा के झोंके और नएपन की आवश्यकता है। आखिर कब तक ये पांच देश बाकी 195 देशों का भविष्य तय करते रहेंगे? कब तक उन्हें किसी भी प्रस्ताव को वीटो करने का अधिकार रहेगा?

इस संबोधन के बाद जेंलेस्की वाशिंगटन पहुंचे लेकिन वहां उन्हें वह गर्मजोशी और हीरो जैसा स्वागत नसीब नहीं हुआ जैसा नौ माह पहले हुआ था। दिसंबर में अमरीकी कांग्रेस की संयुक्त बैठक में दिए गए भाषण के बाद सदस्यों ने खड़े होकर तालियों की गड?ड़ाहट के बीच उनका उत्साहवर्धन किया था।

इस बार उन्होंने सीनेट के जिस सत्र को संबोधित किया, उसमें प्रेस और जनता को प्रवेश नहीं दिया गया। रिपब्लिकनों ने दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करने का उनका अनुरोध ठुकरा दिया। यह खबर भी है कि रिपब्लिकनों ने यूक्रेन पर ब्रीफिंग की सरकार की पेशकश भी नामंजूर की। जेलेंस्की ऐसे समय अमरीका पहुंचे जब रिपब्लिकन यूक्रेन युद्ध पर और अधिक खर्च करने के खिलाफ हो चुके हैं।

उन्होंने एक अंतरिम विधेयक पेश किया है जिसमें यूक्रेन के लिए बजट का प्रावधान नहीं है। राष्ट्रपति बाइडन ने यूक्रेन के लिए अतिरिक्त 24 अरब डालर मांगे है जिसके नतीजे में सरकारी कामकाज ठप्प भी हो सकता है। हालांकि जो बाइडन से मुलाकात के दौरान जेलेंस्की लंबी दूरी की टैक्टिकल मिसाइल प्रणालियां (एटीएसीएमएस) हासिल करने में सफल रहे, जिनसे दूरस्थ रूसी सैन्य अड्डों एवं हथियार भंडारों को निशाना बनाया जा सकता है।

लेकिन ऐसी कितनी मिसाईलें दी जाएंगी, यह नहीं बताया गया। अमेरिकी अधिकारी इस बारे में विशेष उत्साहित नहीं हैं क्योंकि देश का लम्बी दूरी तक मार करने वाली टैक्टिकल मिसाईलों का अपना स्टाक बहुत सीमित है। इसके अलावा उन्हें यह डर भी है कि रूस यह आरोप लगा सकता है कि अमरीका युद्ध को और भड?ा रहा है।

जब अमरीका में यह घट रहा था तब पौलेंड के प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि उनका देश यूक्रेन को भविष्य में और हथियार नहीं देगा क्योंकि वह अपने सुरक्षा प्रबंधों पर फोकस करना चाहता है।

यह घोषणा यूक्रेन के लिए एक बड़ा धक्का तो था ही, पूरे विश्व समुदाय के लिए अप्रत्याशित निर्णय था। पौलेंड अब तक यूक्रेन के सबसे मजबूत समर्थकां में से एक रहा है और कीव को सबसे ज्यादा हथियार वहीं से मिलते रहे हैं। पौलेंड ने दस लाख से ज्यादा यूक्रेनियाई शरणार्थियों को अपने देश में जगह दे रखी है और सरकार उनकी हर तरह से मदद कर रही है।

वॉरसॉ और कीव के बीच तनाव तब शुरू हुआ जब पौलेंड ने अपने किसानों की खातिर यूक्रेन से खाद्यान्नों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया। इस प्रतिबंध के बाद राष्ट्रपति जेलेंस्की ने वॉरसॉ पर रूस की मदद करने का आरोप लगाया। पौलेंड के राष्ट्रपति आंद्रेज डुडा ने यूक्रेन को एक ऐसे डूबते हुए आदमी की संज्ञा दी जो अपने बचाने वाले को भी ले डूबता है।

सो पड़ोसी पोलैंड के साथ वाकयुद्ध और अमरीका में कूटनीतिक बैठकों में बुरी खबर का सीधा मतलब जेलेंस्की का समय ठीक नहीं चल रहा है। हाल में 'न्यूयार्क टाईम्स' ने एक खबर छापी है जिसके मुताबिक यूक्रेन के कोंस्टाइनएंटीनिवका शहर में इस महीने की शुरूआत में एक भीड़भाड़ वाली सड? पर जिस मिसाईल के हमले में 17 नागरिक मारे गए थे, वह मिसाईल यूक्रेन ने ही गलती से दागी थी।

अंतर्राष्टीय स्तर पर समस्याएं हैं हीं उनके देश के भीतर भी जेलेंस्की को कई तरह की मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। यूक्रेन इस समय भ्रष्टाचार के खिलाफ युद्ध के अधबीच में है।

जेलेंस्की ने हाल में रक्षा मंत्री एलेक्सेआई रेजनीकोव को बर्खास्त किया है। रक्षा मंत्रालय के कई अधिकारियों पर भ्रष्टचार के आरोप में मुकदमे चल रहे हैं। इसके अलावा यूक्रेन के एक कुख्यात कुलीन आईहोर कोलोमोयस्की को धोखाधड़ी और मनी लांडरिंग के संदेह में गिरफ्तार किया गया है और वह जेल में है।

जेलेंस्की की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। यूक्रेन का जवाबी हमला अब भी कमजोर और धीमा है और उसके साथी देशों पौलेंड, स्लोवाकिया और अमरीका में चुनाव होने जा रहे हैं और तीनों ही देशों में प्रमुख उम्मीदवार यह कह रहे हैं कि सत्ता में आने पर वे यूक्रेन को सैन्य सहायता देने पर धन खर्च करने की बजाए अपने देश के लोगों की मदद करना चाहेंगे।

युद्ध शुरू हुए 6०० दिन गुजर चुके हैं और पिछले हफ्ते के घटनाक्रम से ऐसा लगता है कि जो देश शुरूआत में यूक्रेन का समर्थन और उसकी मदद करने के लिए बहुत उत्साहित थे धीरे-धीरे हांफने लगे हैं। लंबी खिंचती इस लड़ाई ने उन्हें थका दिया है।

सू- दोकू क्र.038

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 37 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

श्रम में चीन से पीछे है भारत

ऑक्सफोर्ड इकॉनमिक्स की ताजा रिपोर्ट का सार यह है कि भारत भले दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाला देश बन गया हो, लेकिन जहां तक श्रम-शक्ति का बात है, तो इस क्षेत्र वह चीन से कोसों से पीछे है। ब्रिटेन की कंसल्टिंग एजेंसी ऑक्सफोर्ड इकॉनमिक्स ने भारत और चीन की श्रम-शक्ति की जो तुलना पेश की है, उसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। इसलिए कि अगर भारत सचमुच एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में उभरना चाहता है, जो इस तुलना जो कमियां सामने आई हैं, उन्हें दूर किए बना वह अपनी मंजिल नहीं पा सकता। ऑक्सफोर्ड इकॉनमिक्स की ताजा रिपोर्ट का सार यह है कि भारत भले दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाला देश बन गया हो, लेकिन जहां तक श्रम-शक्ति का बात है, तो इस क्षेत्र वह चीन से कोसों से पीछे है। ये एजेंसी अनेक प्रासंगिक आंकड़ों के आधार पर इस नतीजे पर पहुंची है। मसलन, उसने ध्यान दिलाया है कि श्रम-शक्ति भागीदारी (15 से 64 वर्ष उम्र के जो लोग काम की सक्रिय तलाश में हों, उनकी संख्या) भारत में सिर्फ 51 प्रतिशत है, जबकि चीन में ये आंकड़ा 76 प्रतिशत है।

और मगर महिलाओं की बात करें, तो भारत में उनकी भागीदारी तो महज 25 फीसदी है, जबकि चीन में यह आंकड़ा 71 प्रतिशत है। मगर बात सिर्फ संख्या की नहीं है। श्रमिक उत्पादकता के मामले में भारत और भी पीछे है। उत्पादकता मानव पूंजी की गुणवत्ता से तय होती है, जिसका संबंध बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य से है। इस मामले भारत चीन से बहुत पीछे है। मसलन, भारत में 2०18 में साक्षरता दर 74 प्रतिशत थी, जबकि चीन में यह आंकड़ा 97 फीसदी

था। भारत में शिक्षा की गुणवत्ता दयनीय बनी हुई है। उधर स्वास्थ्य देखभाल की स्थिति पर ध्यान दें, तो भारत में हर दस हजार आबादी पर सिर्फ 7.3 डॉक्टर उपलब्ध हैं, जबकि चीन में यह संख्या 23.9 है। जिस समय पश्चिमी और भारतीय मीडिया में भारत को चीन का विकल्प बताया जा रहा है, कहा जा सकता है कि ऑक्सफोर्ड इकॉनमिक्स ने यथार्थ के प्रति हमें सचेत किया है। उसने जो कमियां बताई हैं, उन्हें दूर कर बेशक भारत महाशक्ति बनने की ओर बढ़ सकता है। वरना, सिंगापुर के पूर्व प्रधानमंत्री ली क्वान यू की यह टिप्पणी हकीकत बनी रहेगी कि भविष्य भारत का है, लेकिन वह भविष्य हमेशा ही वर्तमान जितना ही दूर बना रहेगा। (आरएनएस)

मालदीव का नया राष्ट्रपति चीन समर्थक

श्रुति व्यास

भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है। मालदीव को जो नया राष्टपति मिला है वह चीन समर्थक हैं। मोहम्मद मुइज्जु राष्टपति निर्वाचित हुए है। सो फिर भारत और इस द्वीपसमूह के रिश्तों में गिरावट आएगी। मुइज्जु एक ऐसी पार्टी के नेता हैं जिसके पिछले शासनकाल में चीन से भारी कर्ज लिया गया था। अपने लक्जऱी सीरिसार्टों और विख्यात पर्यटकों के लिए मशहूर द्वीपों के इस देश का ताजा चुनावी फैसला भारत को पसंद नहीं आ सकता है। भारत को माले में अपना रणनीतिक प्रभाव कायम रखने में निश्चित ही बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

हालांकि यह खींचातानी नई नहीं है। परस चुनाव में भारत बनाम चीन का नैरेटिव चरम सीमा पर पहुंचा। चुनाव में मोहम्मद मुइज्जु ने सत्तासीन मोहम्मद सोलह को पराजित किया है। उन्होंने प्रचार के दौरान ही साफ़ कर दिया था कि मालदीव पर भारत के कथित प्रभाव को कम करना उनके एजेंडे में काफी ऊपर है। सन् 2०18 में अपनी चकित कर देने वाली चुनावी जीत के बाद सोलेह अपने देश और भारत - जिससे उसके काफी पुराने सम्बन्ध रहे हैं - को नज़दीक लाए थे।उन्होने चीनी निवेश पर अंकुश लगाया था। चुनाव प्रचार के दौरान मुइज्जु ने सोलेह पर आरोप लगाया था कि वे भारत से नजदीकियां बढ़ा रहे हैं, भारतीय सेना को मालदीप में आने दे रहे हैं और भारत को मालदीव में अपना प्रभाव बढ़ाने का मौका देकर देश की सुरक्षा को खतरे में डाल रहे हैं।

मालदीव बिखरे हुए द्वीपों के समूह का देश है। इसकी जनसंख्या केवल पांच लाख है। लेकिन भारत, चीन और पश्चिम सभी के लिए यह रणनीतिक तौर पर बहुत महत्वपूर्ण है। यह पूर्व-पश्चिम मालवाहक समुद्री मार्ग पर है जिससे कई महत्वपूर्ण सामानों का परिवहन होता है। इनमें खाड़ी से चीन को भेजा जाने वाला कच्चा तेल भी शामिल है। मालदीव को हिंद महासागर में भूराजनैतिक प्रभाव एवं नियंत्रण कायम करने के दरवाज़े के रूप में भी देखा जाता है, खासतौर से चीन के लिए, जो इस क्षेत्र में जोरशोर से अपना दबदबा कायम करने का प्रयास कर रहा है। लेकिन यह भी सही है कि मालदीव कब क्या कर देगा, यह अंदाज़ा लगाना मुश्किल है। यहाँ तीन दशकों की तानाशाह सरकार के बाद सन् 2००8 में लड?ड़ाता सा लोकतंत्र कायम हुआ। लोकतांत्रिक शासन में यहां की विदेश नीति, चीन और भारत के बीच झूलती रही और राजनीति में जबरदस्त भ्रष्टाचार और अपराधीकरण का बोलबाला रहा।

भारत के लिए हिंद महासागर में,अपने नजदीकी इलाके में चीनी प्रभाव न बढने् देना बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए वर्तमान सोलेह सरकार के कार्यकाल में भारत ने मालदीव में इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण में 2 अरब डालर से अधिक का निवेश किया। साथ ही प्रशिक्षण एवं सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया। इसका एकमात्र उद्देश्य अपना प्रभाव बढ़ाना था। इसी साल विदेश मंत्री एस जयशंकर मालदीव गए और उन्होंने वहां देश को दो समुद्री एबूलेंस प्रदान कीं, कई विकास समझौतों पर हस्ताक्षर किए, और इस बात पर जोर दिया कि भारत मालदीव की मदद के लिए हमेशा तैयार है।

दस पेटी शराब के साथ दो गिरफ्तार

देहरादून (संवाददाता)। पुलिस ने दस पेटी शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लेबर कॉलोनी तिराहे के पास से एक कार को रूकने का इशारा किया तो कार चालक कार को तेजी से भगा ले गया। पुलिस ने कार का पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने कार से दस पेटी शराब बरामद कर ली। पूछताछ में कार सवार दो लोगों ने अपने नाम नौशाद अली पुत्र मोहम्मद उमर निवासी सरकड़ा चक्राजमल थाना धामपुर बिजनौर उत्तर प्रदेश हाल निवासी पटेल नगर देहरादून व साहब सिंह पुत्र ज्ञान सिंह निवासी नारायणपुर शाहपुर खादर थाना मंडावर जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश हाल निवासी रिस्पना पुल के पास राजीव नगर बताया।

पुलसि ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार को सीज कर दिया।

घास लेने गई महिला पर गुलदार का हमला, मौके पर ही मौत

पौड़ी(हमारे संवाददाता)। उत्तराखंड में गुलदार के हमलों के मामले लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। इस क्रम में आज सुबह श्रीनगर में कीर्तिनगर ब्लॉक के ग्राम पंचायत नौर में घास लेने जंगल गई एक महिला पर गुलदार ने हमला कर दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी।

जानकारी के अनुसार आज सुबह लगभग नौ बजे नौर गांव निवासी लक्ष्मी देवी पुरी(55) पत्नी स्व. राजेंद्र पुरी जंगल में घास लेने जा रही थी। इस दौरा घात लगाए बैठे गुलदार ने महिला पर हमला कर दिया। गुलदार का हमला इतना जबरदस्त था कि महिला की मौके पर ही मौत हो गयी। शोर शराबा सुनकर जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचे महिला की मौत हो चुकी थी। घटना के बाद क्षेत्र में गम और गुस्से का माहौल है। बता दें कि प्रदेश में मानव-वन्यजीव संघर्ष में इस वर्ष अब तक 40 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इनमें से 13 लोगों की जान गुलदार ने ली है।

शराब पीकर हंगामा करने वालों से लोग परेशान

देहरादून(संवाददाता)। शराब पीकर हंगामा करने वाले उपद्रवियों से चुक्खुवाला के क्षेत्रवासी काफी परेशान है और उन्होंने डीआईजी से लेकर एसएसपी को पत्र लिखकर शिकायत की लेकिन एक माह के आसपास होने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई और उनका उपद्रव जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चुक्खुवाला इन्द्रा कालोनी निवासियों ने 18 सितम्बर को डीआईजी व एसएसपी को पत्र लिखकर शिकायत की कि रात्रि दस बजे से उनके घरों के बाहर कुछ असामाजिक तत्व शराब पीकर गाली गलौच व शोर शराबा करते हैं। अगर उनको मना किया जाये तो मारपीट को उतारू हो जाते हैं। जब क्षेत्र वासी 100 नम्बर पर फोन करते हैं। तब भी कोई कार्यवाही नहीं होती है उल्टे उक्त उपद्रवी लोगों के गेटों पर लातें मारकर गाली गलौच कर खाली बोतलें लोगों के घरों में फैंक कर हंगामा करते हैं।

शहर कोतवाल से भी इसकी शिकायत की उसने भी सिर्फ आश्वासन का टोकरा उनको थमा दिया लेकिन कार्यवाही के नाम पर शुन्य ही रहा। एसएसपी से शिकायत करने के बाद भी कोई कार्यवाही ना होने से अब लोग भगवान भरोसे अपने आपको छोडकर चुपचाप घर के अन्दर दुबक रहे हैं और असामाजिक तत्वों की हिम्मत बढती जा रही है।

इंडिया स्टार अचीवर्स अवॉडर्स 16 अक्टूबर को, अमीषा पटेल रहेंगी मौजूद

संवाददाता

देहरादून। बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल ऑफ आर्ट्स व बंटी एंटरटेनमेंट, ग्रुवी एंजल आगामी 16 अक्टूबर को इंडिया स्टार अचीवर्स अवॉर्ड्स 2023 का भव्य आयोजन किया जा रहा है जिसमें अभिनेत्री अमीषा पटेल भी मौजूद रहेंगी।

आज यहां प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कार्यक्रम के आयोजक अमित गुप्ता ने बताया कि बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल ऑफ आर्ट्स और बंटी एंटरटेनमेंट , ग्रुवी एंजल आगामी 16 अक्टूबर को एक भव्य इंडिया स्टार अचीवर्स अवॉर्ड्स 2023 करने जा रहा है।

जिसमें बतौर सेलिब्रिटी गेस्ट गदर फिल्म की बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल मौजूद रहेंगी। अमित गुप्ता ने बताया की वे पिछले कई सालों से फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा रहे हैं और बड़ी-बड़ी अवॉर्ड्स नाइट एवं सेलिब्रिटी इवेंट्स करते रहे हैं। इस बार देहरादून में बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल आफ आर्ट्स के साथ मिलकर वह एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन करने जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल ऑफ आर्ट्स जो की जुल्फुकार टाइगर और गुरुचरण लाल सदाना चला रहे हैं बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल ऑफ आर्ट्स के छात्रों को भी इससे प्रोत्साहन मिलेगा और कुछ सीखने को मिलेगा।

सम्मान समारोह में विभिन्न कैटिगरीज में देश भर से कई लोगों को सम्मानित किया जा रहा है जो कि समाज के लिए प्रेरणा स्रोत है।

पत्रकार वार्ता में जुल्फुकार टाइगर ने बताया कि बॉलीवुड एक्टिंग स्कूल ऑफ आर्ट्स पिछले 23 सालों से देहरादून में चल रहा है।

उनका मकसद छात्रों को फिल्म जगत की हस्तियों से रूबरू कराना और फिल्म इंडस्ट्री के गुरों को सिखाना रहा है। पत्रकार वार्ता में आयोजक अमित गुप्ता, गुरुचरण लाल सदाना एवं शो डायरेक्टर जुल्फुकार टाइगर, शोएब साबरी, इमरान अहमद, जेबा खान मौजूद रहे।

जल स्वच्छता मिशन के संचालित कार्यो को दिसम्बर तक पूरा करें:झरना

संवाददाता

देहरादून। मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिला जल स्वच्छता मिशन के अन्तर्गत संचालित कार्यों को दिसम्बर 2023 तक पूर्ण कर लिया जाए।

मुख्य विकास अधिकारी सुश्री झरना कमठान की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में जिला जल स्वच्छता मिशन की बैठक आयोजित की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिला जल स्वच्छता मिशन के अन्तर्गत संचालित कार्यों को दिसम्बर 2023 तक पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने योजनाओं को पूर्ण करने में राजस्व एवं वन विभाग से सम्बन्धित प्रकरणों पर विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय करते हुए निस्तारण करने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने योजनाओं में भूमि सम्बन्धी प्रकरण पर राजस्व विभाग तथा वन सम्बन्धी प्रकरणों में वन विभाग से समन्वय करते हुए योजनाओं को पूर्ण करने के निर्देश जल संस्थान एवं पेयजल निगम के अधिकारियों को दिए।

उन्होंने विकासनगर अन्तर्गत नलकूप जलाशय ऊर्ध्व योजना के सम्बन्ध में भूड्डी, धूलकोट, बिदोली, माजरी मयचक, कारबारीग्रान्ट के भूमि सम्बन्धी प्रकरणों को तीन दिन के भीतर निस्तारण करने के निर्देश उप जिलाधिकारी विकासनगर तथा पेयजल निगम एवं जल संस्थान के अधिकारियों को दिए।

ऋषिकेश क्षेत्रान्तर्गत प्रतीतनगर, खड्क माफी, शाहबनगर में योजनाओं के क्रियान्वयन में भूमि सम्बन्धी प्रकरण को समन्वय करते हुए तीन दिन के भीतर निस्तारण के निर्देश उप जिलाधिकारी ऋषिकेश एवं पेयजल निगम एवं जल संस्थान के अधिकारियों को दिए।

बैठक में अधीक्षण अभियन्ता जल संस्थान नमित रमोला, अधीक्षण अभियन्ता पेयजल निगम ई.डी के बंसल, पेयजल निगम के और जल संस्थान के अभियंता आदि मौजूद रहे।

नाबालिग को वाहन देना पड़ा महंगा, कटा 38,500 रूपये का चालान

हमारे संवाददाता

चमोली। नाबालिग बेटे को वाहन देना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। पुलिस ने उक्त वाहन सीज कर 38,500 रूपये का चालान काट दिया है।

बीते रोज गोपेश्वर थाना पुलिस द्वारा चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान जब वरिष्ठ उप निरीक्षक दिनेश पंवार द्वारा वाहन संख्या यूके 07 बीएक्स 6950 को

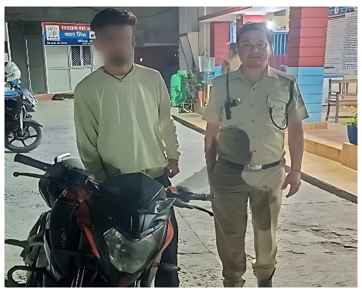

रोक कर चैक किया गया तो पाया कि वाहन एक नाबालिक चला रहा था। जिस पर पुलिस ने नाबालिक वाहन चालक के अभिभावक को थाने बुला कर नाबालिक को उनके सुपुर्द किया गया।

इसके साथ ही नाबालिक वाहन चालक के अभिभावक के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत 38,500 रूपये का चालान कर वाहन को सीज कर दिया गया है। अभिभावक को मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के बारे में जानकारी देते हुए सख्त निर्देश दिए गए कि भविष्य में अपने नाबालिक बच्चों को वाहन न दे।

एक नजर

मध्य प्रदेश के सीएम ने स्वामी चिदानंद से परिवार सहित लिया आशीर्वाद

हमारे संवाददाता

देहरादून। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह आज सपरिवार परमार्थ निकेतन पहुंचे। परमार्थ निकेतन पहुंचने पर गुरुकुल के छात्रों ने शिवराज सिंह का वेद मंत्रों के साथ स्वागत किया गया।

बता दें कि मध्य प्रदेश में चुनाव की घोषणा होने के बावजूद वह संतों का आशीर्वाद लेने उत्तराखंड पहुंचे हैं। उन्होंने अपने परिवार के साथ ऋषिकेश-बदरीनाथ मार्ग पर गुलर स्थित आनंद काशी एक आश्रम में दो दिन प्रवास भी किया। वह आज सुबह ऋषिकेश पहुंचे जहां उन्होने अपनी पत्नी साधना सिंह और दो बेटों कार्तिक सिंह चौहान और कुणाल सिंह चौहान के साथ परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद मुनि से मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

हरिद्वार में डॉ निशंक का लघु व्यापारियों ने किया स्वागत

हरिद्वार। लघु व्यापारियों ने हरिद्वार पहुंचने पर डा. रमेश पोखरियाल निशंक का जोरदार स्वागत किया।

आज यहां फुटपाथ के कारोबारी रेडी पटरी स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों के मात्र एक संगठन लघु व्यापार संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा की अगवाई में हरिद्वार के लोकसभा सांसद पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक के हरिद्वार आगमन के दौरान कुंभ मेला कंट्रोल रूम के

सभागार में जिला निगरानी समिति की बैठक में सम्मिलित होने से पहले कुंभ मेला कंट्रोल रूम के सभागार में रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों ने जोरदार स्वागत कर पूर्व में हरिद्वार के लोकसभा सांसद डॉ रमेश पोखरियाल निशंक के निर्देशन में नगर निगम प्रशासन द्वारा तीन वेंडिंग जोन के उद्घाटन लोकार्पण के साथ चौथा वेंडिंग जोन भगत सिंह चौक से सेक्टर 2 बैरियर के शिलान्यास किया जाने से उत्साहित लाभार्थी लघु व्यापारियों ने फूलों की वर्षा कर फूल माला पहनकर हरिद्वार के लोकसभा सांसद डॉ रमेश पोखरियाल निशान का जोरदार अभिनंदन वे स्वागत किया।

स्वागत के दौरान प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रेषित कर आगामी दिसंबर माह तक उत्तरी हरिद्वार,कनखल,ज्वालापुर, लक्सर रोड,सीतापुर इत्यादि क्षेत्र के सभी चिन्हित वेंडिंग जोन के निर्माण की मांग को प्रमुखता से दोहराया।

इस अवसर पर राजकुमार एंथोनी ,पंडित कमल शर्मा ,नंदकिशोर गोस्वामी, लालचंद गुप्ता ,भोला यादव ,प्रिंस साहू, विजय गुप्ता, विकास सक्सेना, प्रद्युमन सिंह ,कमल कुमार, जय सिंह बिष्ट, सचिन राजपूत ,आजम अंसारी, नईम सलमानी ,सोनू ,श्रीमती पूनम माखन, कामिनी मिश्रा ,सीमा देवी ,मंजू देवी ,सुनीता चौहान ,पार्वती देवी ,पुष्पा दास आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

भारी मात्रा में चरस सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने भारी मात्रा में चरस सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना कपकोट पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को मुनार रोड पर एक संदिग्ध बाइक सवार आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 1.770

ग्राम चरस बरामद की गयी। पूछताछ में उसने अपना नाम हेम प्रकाश तिरुआ पुत्र त्रिलोक राम तिरुआ निवासी ग्राम तिरुवाण थाना कपकोट, जिला बागेश्वर बताया। पुलिस ने उसे एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है।

पीएम के दौरे से पूर्व मुख्य सचिव ने किया सभा स्थल का निरीक्षण

संवाददाता

पिथौरागढ। मुख्य सचिव एसएस संधु ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिथौरागढ आगमन से पूर्व सभा स्थल व उसके आसपास का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां आगामी 12 अक्टूबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनपद पिथौरागढ़ के भ्रमण कार्यक्रम को देखते हुए प्रदेश के मुख्य सचिव एसएस संधु ने नगर पिथौरागढ़ में जनसभा स्थल एसएस वल्दिया स्पोर्ट्स स्टेडियम का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायज लिया। उन्होंने जनसभा स्थल पर मंच, स्टॉल ,सीटिंग अरेंजमेंट, शौचालय, पेयजल विद्युत, साउंड सिस्टम आदि विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर हो रहे कार्यों को देखा तथा कार्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिये! कहा कि तैयारियो में किसी भी प्रकार त्रुटियां नहीं रहनी चाहिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी रीना जोशी सहित शासन एवं जनपद स्तर के विभिन्न अधिकारी उपस्थित थे।

पीएम का कुंमाऊ दौरा कल

पिथौरागढ़/अल्मोड़ा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुमाऊ दौरे की तैयारियां पूर्ण हो चुकी है। पीएम मोदी के भव्य स्वागत के लिए स्थानीय लोगों और संस्कृति विभाग से जुड़े कलाकारों का पिथौरागढ़ व अल्मोड़ा में जमावड़ा है। मुख्य सचिव व डीजीपी पिथौरागढ़ पहुंच चुके है। 15 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित आदि कैलाश और अल्मोड़ा स्थित जागेश्वर धाम आने वाले पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल सुबह साढ़े आठ बजे यहां पहुंचेंगे और शाम पांच बजे तक उनके कई कार्यक्रम है जिनमें वह हिस्सा लेने वाले है।

उल्लेखनीय है कि 2020 में लिपुलेख सड़क मार्ग के निर्माण और आदि कैलाश होकर मान सरोवर यात्रा का मार्ग तैयार करने की महत्वाकांक्षी योजना को जमीन पर उतारने और मानस खण्ड परियोजना के जरिए इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयास में जुटे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस यात्रा से क्षेत्र में विकास के नये युग की शुरूआत होगी। प्रधानमंत्री मोदी कल सुबह आठ बजे ज्योतिलिंग पहुंचेगे। साढ़े आठ बजे आदि कैलाश के दर्शन और पूजा अर्चना करेंगें। 9.30 बजे वह गुंजी गांव पहुंचेगे जहां आदिवासी स्थानीय लोगों से मुलकात व बातचीत करेंगे। 12.30 बजे उनका कार्यक्रम अल्मोड़ा के जागेश्वर धाम पहुंचने का है।

अनिल कुमार के खिलाफ कार्यवाही की मांग

देहरादून। सुराज सेवा दल ने पावर कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर सचिवालय कूच कर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्य सचिव को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां सुराज सेवा दल के कार्यकर्ता परेड ग्राउंड में एकत्रित हुए। जहां से उन्होंने सचिवालय कूच किया। वह जैसे ही सुभाष रोड पहुंचे तो पुलिस ने बैरकेडिंग लगाकर उन्हें रोक दिया। ज्ञापन माध्यम से उन्होंने कहा कि अनिल कुमार प्रबन्ध निदेशक उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन के द्वारा पिटकुल में मुख्य अभियंता क्रय एवं अनुबन्ध के पद पर रहते हुए किये गये करोडों रूपये के घोटाले व टेण्डर पूल किये जाने, झूठे मुकदमों से राजनैतिक संगठन को डराये जानेसम्बन्धी कई भ्रष्टाचारों में लिप्त हैं।

अंतिम अरदास....

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

इस अवसर पर लगभग 2500 से अधिक श्रद्धालु कपाट बंद होने की इस अलौकिक बेला के साक्षी बने। पुलिस द्वारा पवित्र निशान साहिब एवं कपाट बंद होने के अवसर पर मौजूद सभी यात्रियों को सकुशल गोविन्दघाट लाया गया। बता दें कि इस वर्ष 20 मई को प्रारम्भ हुई श्री हेमकुण्ड साहिब की यात्रा में 1 लाख 80 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने श्री हेमकुण्ड साहिब जी के सकुशल दर्शन किये। जिनकी सुरक्षा हेतु पुलिस अधीक्षक चमोली रेखा यादव के कुशल नेतृत्व में चमोली पुलिस एवं एसडीआरएफ द्वारा बर्फबारी, कड़कती ठंड, बारिश एवं आपदा के समय विपरीत परिस्थिति में मुस्तैदी के साथ अपनी ड्यूटी करते हुए श्री हेमकुण्ड साहिब की यात्रा पर आये श्रद्धालुओं की यात्रा को सरल एवं सुगम बनाया।

हत्या का खुलासा...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

फिराक में है। जिस पर पुलिस ने दबिश देकर उसे दबोच लिया।

पूछताछ में कुन्दन ने बताया कि गोविन्द फर्त्याल के खेत से कुछ दिन पहले किसी ने पेड़ काट दिए थे जिसका शक वे गांव के लड़को पर ही कर रहे थे। वह जिन लोगों पर शक कर रहे थे उनमे मेरा भाई संतोष उर्फ सोडी भी था। मैं 7 अक्टूबर को अपने घर पहुंचा तो गोविन्द वहीं मौजूद था। मेरे सामने ही मेरी माँ से गाली गलोज करने लगा। जिस पर गुस्से में आकर मैने उसे छत से धक्का दे दिया, जिससे उसे चोट लग गयी और वह फिर गाली गलौज करने लगा। इसी बीच मेरा छोटा भाई भोपाल बिष्ट उर्फ घन्नु भी घर आ गया था। वह भी गुस्से में आ गया जिस पर हम दोनो भाईयों ने गोविन्द फर्त्याल की पीट पीट कर हत्या कर दी तथा उसे घसीटते हुए नहर में फेंक दिया। पुलिस ने इसके बाद घटना में शामिल दुसरे आरोपी भोपाल सिंह विष्ट उर्फ घन्नू को भी रोजवेज बस अड्डे के अन्दर रामनगर से गिरफ्तार कर लिया है। जिनकी निशानदेही पर पुलिस ने मृतक के कपड़े , मोबाइल , टार्च व लोहे का पाइप भी बरामद किया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।